

अटल सेतु न्हावा शेवा सी लकि

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री द्वारा मुंबई ट्रांस हार्बर लकि (Mumbai Trans Harbour Link- MTHL) का उद्घाटन करने के लिये तैयार हैं, जसिे आधिकारिक तौर पर अटल सेतु न्हावा शेवा सी लकि (Atal Setu Nhava Sheva Sea Link) के रूप में जाना जाता है, जो 22 किलोमीटर का एक विशाल समुद्री पुल है।

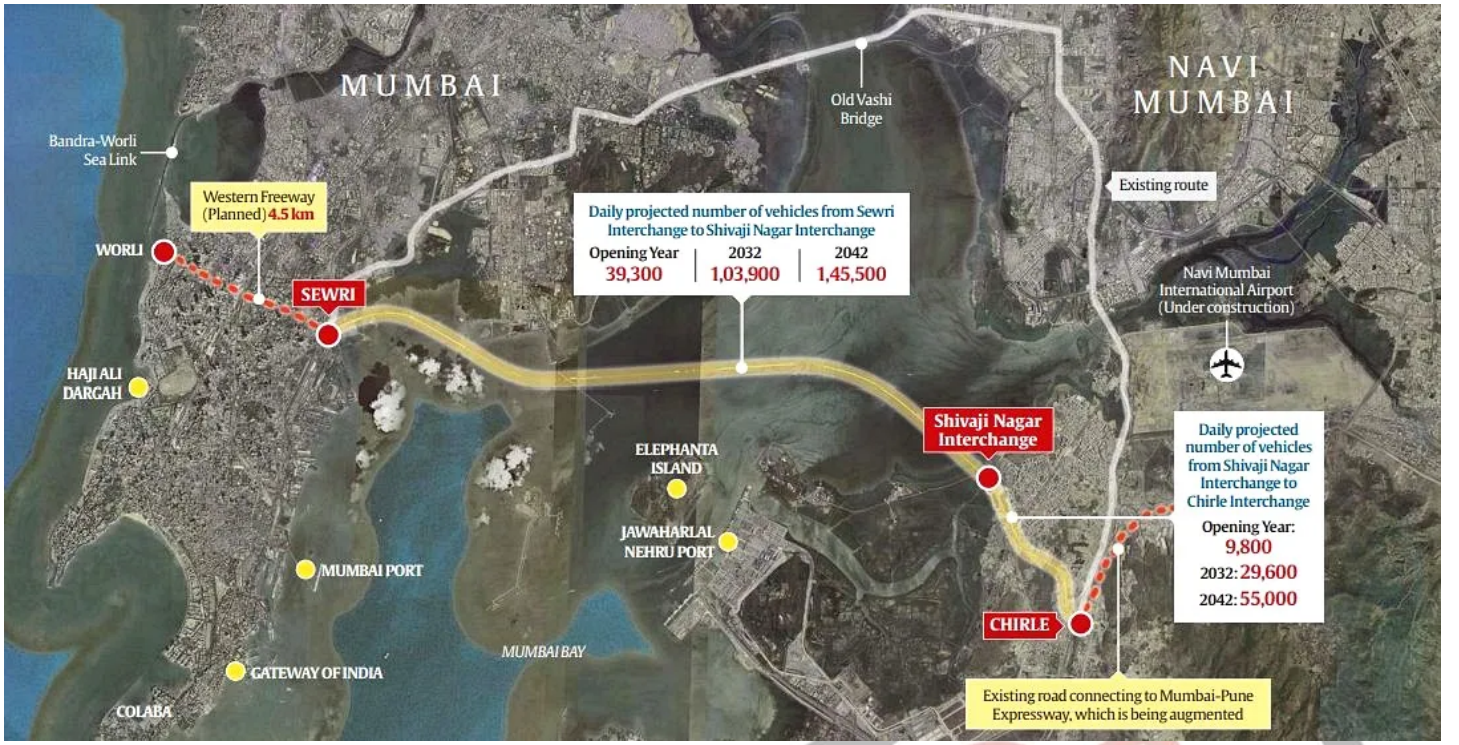
- इस मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का लक्ष्य सेवरी और चरिले के बीच यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव लाना है, जसिसे यात्रा के समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

MTHL की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **परिचय:**
 - अटल सेतु भारत का सबसे लंबा पुल है और साथ ही सबसे लंबा समुद्री पुल भी है।
 - यह पुल लगभग 21.8 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला पुल है, जसिकी लंबाई समुद्र के ऊपर लगभग 16.5 किलोमीटर और ज़मीन पर लगभग 5.5 किलोमीटर है।
 - इस पुल का नाम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है।
 - यह पुल मुंबई के सेवरी से शुरू होता है और रायगढ़ ज़िले के उरण तालुका में न्हावा शेवा पर समाप्त होता है।
 - इस परियोजना को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जो कुल परियोजना लागत का 80% हसिसा कवर करती है, जबकि शेष हसिसा राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा किया जाता है।

नोट:

- इससे पहले असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर डॉ. भूपेन हजारिका पुल भारत का सबसे लंबा पुल था। यह 9.15 किलोमीटर लंबा नदी पुल है।



■ सम्मलिति प्रौद्योगिकियाँ:

- MTHL में रविरस सर्कुलेशन डरलिंग (RCD) पाइलिंग, ऑर्थोटोपिक स्टील डेक (OSD) ब्रिज गर्डर्स और ओपन रोड टोलिंग (ORT) सिस्टम जैसी विभिन्न नवीन तकनीकों को शामिल किया गया है।
 - **RCD तकनीक** का उपयोग भारत में पहली बार किया गया है, जो ढेर नींव बछाने के लिये नियोजित एक नवीन तकनीक है, यह पारंपरिक ऊर्ध्वाधर डरलिंग विधिकी तुलना में कम शोर उत्पन्न करती है।
 - **OSD** एक निर्माण विधि है जो **ताकत और लचीलेपन को जोड़ती** है। यह तकनीक पुल के स्टील डेक के हल्के ढाँचे को बनाए रखते हुए भारी वाहनों का सामना करने की अनुमति देती है।
 - MTHL वाहनों को रोकने या धीमा करने की आवश्यकता के बिना टोल एकत्र करने की **ORT पद्धति अपनाने वाली देश की पहली परियोजना** बन गई।

■ लाभ:

- मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) तथा JICA द्वारा किये गए एक अध्ययन के अनुसार MTHL सेवरी एवं चरिले के बीच **औसत यात्रा समय को** वर्तमान में 61 मिनट से घटाकर 16 मिनट से भी कम कर देगा।
- शुरुआती वर्ष (2024) में प्रतिदिन करीब 40,000 वाहनों को लकि का उपयोग करने की उम्मीद है।
- यह अनुमान लगाया गया है कि यह परियोजना **नवी मुंबई को मुंबई के साथ आर्थिक रूप से अधिक एकीकृत** करने में सक्षम बनाएगी और साथ ही पनवेल, अलीबाग, पुणे एवं गोवा को भी इससे लाभ मल्लिगा।
- यह पुल मुंबई तथा पुणे एक्सप्रेसवे के बीच की दूरी को कम करने में सहायता प्रदान करेगा।